आर.एन.आई. नं.- MPHIN/2015/66655

साप्ताहिक समाचार पत्र

त्रिकाल दृष्टि

सच का दर्पण

वर्ष-2 अंक-2, भोपाल, सोमवार 6 से 12 फरवरी 2017 पृष्ठ- 8 मूल्य : 3.00 रूपये www.trikaldrishti.com

संक्षिप्त समाचार

चीन को लेकर नर्म पड़े ट्रंप

वाशिंगटन। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप का चीन के प्रति रूख नर्म पड़ता दिखाई दे रहा है। दरअसल अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में अपने चीनी समकक्ष शी विनफिंग को एक पत्र लिखा जिसमें उन्होंने कहा कि वह "रचनात्मक संबंध" बनाने के लिए उत्साहित हैं जिससे दोनों देशों को लाभ हो। बता दें कि इससे कुछ दिन पहले ट्रंप ने दशकों पुरानी 'वन चाइना' नीति पर सवाल उठाए थे जिससे चीन चिढ़ गया था। चीन के राष्ट्रपति शी को ट्रंप ने लिखा पत्र : ट्रंप ने राष्ट्रपति विनफिंग को पत्र लिखा, जिन्होंने 20 जनवरी को अमरीका के राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद ट्रंप को बधाई देते हुए एक पत्र लिखा था। व्हाइट हाऊस के प्रेस सचिव सीन स्पाइसर ने कहा, "राष्ट्रपति डोनाल्ड जे ट्रंप ने आज चीन के राष्ट्रपति शी विनफिंग को पत्र लिखकर शपथ ग्रहण के अवसर पर उनके बधाई पत्र के लिए उन्हें धन्यवाद दिया और चीन के लोगों को 'लैंटर्न फेस्टिवल' और चीनी नववर्ष की बधाई दी।" स्पाइसर ने एक बयान में कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि वह एक रचनात्मक रिश्ता बनाने के लिए राष्ट्रपति शी के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्साहित हैं जो अमरीका और चीन दोनों देशों के लिए फायदेमंद होगा।

यूपी चुनाव में बुखारी ने किया बसपा का समर्थन

नयी दिल्ली। जामा मस्जिद के शाही इमाम मौलना सैयद अहमद बुखारी ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में बहुजन समाजवादी पार्टी के समर्थन का एलान किया है. इमाम ने समाजवादी पार्टी पर धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए कहा, मुस्लिम समुदाय से जुड़े मामलों को उठाने में पार्टी असफल रही है. सपा के शासन के दौरान मुस्लिमों पर अत्याचार हुआ, नाइंसाफी हुई है.ध्यान रहे कि 2012 के चुनाव में बुखारी ने सपा का समर्थन किया था, इसके बाद उनके दामाद को सपा के कोटे से एमएलसी बनाया गया था. लेकिन इस बार उन्होंने सपा के समर्थन से अपना हाथ खींच लिया. शाही इमाम ने कहा, उत्तर प्रदेश की बदलहाली के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार सपा है. सपा की सरकार आने के एक साल के भीतर ही 113 सांप्रदायिक घटनाएं हुई और 13 जगहों पर कर्फ्यू तक लगा।

तीन तलाकः मुद्दा जायज सियासत नाजायज

नई दिल्ली। 'तलाक, तलाक, तलाक' इतना कहकर मुर्तजा फोन काट देता है और चार बच्चों की मां इशरत जहां के साथ अपनी 15 साल पुरानी शादी को तोड़ देता है. दुबई में रहने वाला पश्चिम बंगाल का यह कढ़ाईसाज अब नई बीवी और नई जिंदगी चाह रहा है. उसका कहना है, 'हम सेब खाते हैं, तो इसलिए क्या हम दूसरे फलों को पसंद करना बंद कर दें?' अजमल बशीर ने केरल में अपनी दस दिन पुरानी पत्नी को व्हाट्सऐप से तलाक देते हुए लिखा, 'दहेज या तलाक?' मध्य प्रदेश के सैयद अशहर अली वारसी ने आफरीन रहमान से अपनी शादी का रिश्ता तोड़ने के लिए स्पीड पोस्ट का इस्तेमाल किया. उत्तर प्रदेश के रिजवान अहमद ने अपनी 37 साल की पत्नी साएरा बानो को एक चिट्ठी में लिखा, 'तलाक, तलाक, तलाक ऐसी कहानियां आम हैं।

रायबरेली और अमेठी में 13 फरवरी से चुनाव प्रचार करेंगी प्रियंका

लखनऊ। तमाम अटकलों को विराम देते हुए कांग्रेस की स्टार प्रचारक प्रियंका गांधी वाड्रा 13 फरवरी से रायबरेली और अमेठी में 6 दिनों तक चुनाव प्रचार करेंगी। पार्टी सूत्रों ने यहां बताया कि राज्य विधानसभा चुनाव में प्रियंका का हालांकि समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ सूबे में कहीं भी संयुक्त रैली अथवा रोड शो करने का कोई इरादा नहीं है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी मिलकर रैली और रोड शो कर रहे हैं। उन्होने बताया कि प्रियंका अपनी मां और कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के संसदीय क्षेत्र रायबरेली से सूबे में चुनाव प्रचार का आगाज करेंगी। वह 13 से 15 फरवरी के बीच रायबरेली में रह कर मतदाताओं को पार्टी के पक्ष में वोट डालने के लिये प्रेरित करेंगी।

विधानसभा चुनाव के चौथे चरण में 24 फरवरी को डाले जाएंगे वोट

वाड्रा 16 तारीख को अमेठी के लिए रवाना होगी और अगले तीन रोज अपने भाई राहुल के संसदीय क्षेत्र में गठबंधन के प्रत्याशियों के लिए प्रचार करेंगी। रायबरेली में विधानसभा चुनाव के चौथे चरण में 24 फरवरी को वोट डाले जाएंगे जबकि अमेठी में 27 फरवरी को 5वें चरण में मतदान होगा। प्रियंका के प्रचार अभियान को अंतिम रूप देने के बावजूद अमेठी और रायबरेली में सपा और कांग्रेस के बीच प्रत्याशियों को लेकर उहापोह बनी हुयी है। दोनों जिलों की कई सीटों पर दोनो दलों के उम्मीदवार चुनाव मैदान में आमने सामने हैं। वर्ष 2012 में हुए विधानसभा चुनाव में प्रियंका के चुनाव प्रचार करने के बावजूद अमेठी और रायबरेली में कांग्रेस के पक्ष में मनमाफिक परिणाम नहीं आए थे। रायबरेली में कांग्रेस का खाता भी नही खुला था जबकि अमेठी में पार्टी के हिस्से में 5 मे से मात्र 2 सीटें आई थी।

पीएम मोदी के 'रैनकोट' वाले बयान पर भड़के दिग्विजय, कहा- रामभक्त हैं तो अहंकारी रावण से कुछ सीखें

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह पर पीएम नरेंद्र मोदी के 'रेनकोट' वाली टिप्पणी पर कांग्रेसी बिफर गए हैं। पार्टी के बड़े नेताओं ने मोदी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है, राहुल गांधी इस बयान के लिए मोदी से माफी मांगने को कह रहे हैं। कांग्रेस महासचिव दिग्विजय सिंह ने मोदी को सलाह दी है कि वह 'अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी के विपक्ष के प्रति सम्मानजनक व्यवहार का अध्ययन करें, तो उनकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी।' दिग्विजय ने गुरुवार को एक के बाद एक ट्वीट कर नरेंद्र मोदी को आड़े हाथों लिया। दिग्विजय ने कहा, 'मोदी जी, किस प्रकार का संसदीय व्यवहार और संसदीय भाषा का उपयोग करना चाहिये, और किसी से नहीं तो अटल जी, अडवाणी जी(मुरली मनोहर जोशी से तो सीख लें। जिस भाषा का उपयोग आपने डॉ मनमोहन सिंह जी पर किया है उससे प्रधान मंत्री पद की गरिमा घटी है थोड़ा तो अपने पद का ख्याल रखें।' दिग्विजय ने मोदी को अटल के भाषणों का अध्ययन करने की सलाह देते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री कार्यकाल में अटल जी के संसद में दिए गए भाषणों का अध्ययन कर लें। और अटल जी, आडवाणी जी, मुरली मनोहर जोशी जी के विपक्ष के प्रति सम्मान जनक व्यवहार का अध्ययन कर लें तो आपकी ही प्रतिष्ठा बढ़ेगी।'

मुस्लिम नासा साइंटिस्ट को हिरासत में लिया गया

ह्युस्टन। भारतीय मूल के एक मुस्लिम नासा वैज्ञानिक ने आरोप लगाते हुए कहा है कि अमेरिकी सीमा पर सीमा-शुल्क अधिकारियों ने उन्हें हिरासत में लेकर जबरदस्ती उनके फोन को अनलॉक करने को कहा. वैज्ञानिक फोन का इस्तेमाल अपने काम के लिए करता था और उनमें पिन पासवर्ड लगा था. सिद बीकन्नवर (35) ने सोशल मीडिया पर डाली अपनी एक पोस्ट में बताया कि उन्हें ह्युस्टन जॉर्ज बुश अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर जाने की अनुमति देने से पहले अमेरिकी सीमा-शुल्क अधिकारियों एवं सीमा सुरक्षा अधिकारी उनका फोन और पासवर्ड चाहते थे. बीकन्नवर ने अपनी फेसबुक पोस्ट में लिखा कि पिछले सप्ताहांत अमेरिका में अपने घर लौटते वक्त मुझे आंतरिक सुरक्षा अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया और मुझे उन अन्य लोगों के साथ रखा गया जो वहां मुस्लिम प्रतिबंध के कारण थे. उन्होंने लिखा, मैंने पहले इनकार किया, क्योंकि वह नासा द्वारा दिया गया फोन था और जिसकी मुझे रक्षा करनी थी. बीकन्नवर ने लिखा, मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि मैं अमेरिका में जन्मा नागरिक और नासा का इंजीनियर हूं, जो वैध अमेरिकी पासपोर्ट के साथ यात्रा कर रहा था. उन्होंने मेरे दोनों फोन और पासवर्ड लेने के बाद जब तक पूरा डाटा कॉपी नहीं हुआ तब तक मुझे उस क्षेत्र में भेज दिया।

9/11 के मास्टमाइंड ने ओबामा को कहा सांप का सिर

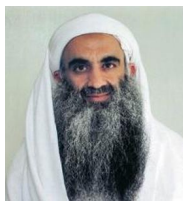

वॉशिंगटन। खुद को सितंबर 2001 में अमेरिका पर हुए आतंकी हमले का मास्टरमाइंड बताने वाले खालिद शेख मुहम्मद ने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को पत्र लिखा है। खालिद ने इस पत्र में लिखा है कि 9/11 का हमला अमेरिकी विदेश नीति का नतीजा थी। खालिद ने लिखा है कि अमेरिका की विदेश नीति के कारण सैकड़ों निर्दोष लोग मारे गए। 18 पन्नों की इस चिट्ठी को खालिद ने 'द हेड ऑफ द स्नैक, बराक ओबामा,' यानी 'सांप के सिर, बराक ओबामा' का शीर्षक दिया है। खालिद ने इस शीर्षक में अमेरिका की तुलना 'सांप' से की है और उसने ओबामा को इस सांप का 'सिर' यानी सरगना (राष्ट्रप्रमुख) कहा है। अपनी चिट्ठी में खालिद ने अमेरिकी राष्ट्रपति को 'दमन और उत्पीड़न करने वाले देश' का प्रमुख बताया है। डिफेंस अटॉर्नी डेविड नेविन ने इस पत्र की एक प्रति उपलब्ध कराई है।

लेकिन बीजेपी से मिलकर सरकार नहीं बनाऊंगीः मायावती

कानपुर। उत्तर प्रदेश की जंग जीतने और मुस्लिम वोटों से अपनी झोली भरने के लिए मायावती ने अपनी आखिरी कोशिश के तहत साफ किया है कि वो विपक्ष में बैठ जाएंगी, लेकिन बीजेपी की मदद से सरकार नहीं बनाएंगी. मायावती ने कानपुर की रैली में कहा, हम विपक्ष में बैठने को तैयार हैं, लेकिन बीजेपी की मदद से सरकार नहीं बनाएंगे. समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के साथ जाने का कोई सवाल नहीं है. इसके साथ ही मायावती ने बीजेपी पर आरोप मढ़ते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर बीजेपी अफवाह फैला रही है कि बीजेपी और बीएसपी मिलकर सरकार बनाने जा रही है. मुसलमानों को अपने पाले में करने के लिए मायावती ने इस बार दिल खोलकर टिकट बांटें हैं और कुल 403 सीटों में से 99 टिकट मुसलमान कैंडिडेट को को दिए हैं।

केयर टेकर से मारपीट कर प्लेस ऑफ सेफ्टी केंद्र से भागे 3 कैदी

इंदौर। परदेशीपुरा स्थित बाल संप्रेक्षण गृह के प्लेस ऑफ सेफ्टी केंद्र से सोमवार साढ़े 4 बजे तीन बाल कैदी केयर टेकर के साथ मारपीट कर भाग गए। तीनों की उम्र 18 साल से ज्यादा है। संप्रेक्षण गृह परिसर से सालभर में तीसरी बार कैदियों के भागने की घटना हुई है। सरकारी कर्मचारी के साथ मारपीट करने के आरोप में संप्रेक्षण गृह प्रशासन ने तीनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है।

उधर हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद सेफ्टी केंद्र में न तो बाउंड्रीवॉल बनाई गई और न ही सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। तीनों लड़कों ने 50 वर्षीय केयर टेकर सचदेव यादव के साथ मारपीट कर उससे चाबी छीन ली थी। यहां एक होमगार्ड भी पदस्थ है। घटना की रात वह छुट्टी पर था। नाम का प्लेस ऑफ सेफ्टी, हर जगह खतरा ही खतरा दिल्ली में निर्भया कांड के बाद हाई कोर्ट के आदेश पर अप्रैल से यहां प्लेस ऑफ सेफ्टी सेंटर स्थापित किए गए। सेंटर तो शुरू हो गया, लेकिन यहां नाम की भी 'सेफ्टी' नहीं है। उलटा हर जगह खतरा ही खतरा है। जिन किशोरों का न्याय बोर्ड में केस चलता है, केंद्र में 16 से लेकर 30 साल तक के लोगों को यहां रखा जाता है। यहां औसतन 14 से 15 कैदी रहते ही हैं। इनमें चोरी, लूट, दुष्कर्म, हत्या का प्रयास सहित कई बड़े अपराध में शामिल आरोपी भी लाए जाते हैं। केंद्र में इनके लिए न कोई लॉकअप है, न हथकड़ी। ये चैनल गेट के अंदर आराम से घूमते हैं, खाते हैं, टीवी देखते हैं। मनोचिकित्सक का पद नहीं भरा: सालों से यहां संप्रेक्षण गृह संचालित हो रहा, लेकिन यहां आज तक मनोचिकित्सक के पद को नहीं भरा गया। बाल अपराधियों को सबसे ज्यादा काउंसलिंग की जरूरत होती है। एक बार संस्था में आने के बाद उनकी अपराधी प्रवृत्ति को दूर करने के लिए कुछ नहीं किया जाता। इससे उनका दिमाग फिर अपराध करने के लिए ही दौड़ता रहता है। मौका मिलते ही वे फिर मारपीट कर भागने में कामयाब हो जाते हैं।

बच्चों के लिए मनोचिकित्सक की सख्त जरूरत है एफआईआर करवा दी है। फिलहाल, बाल संप्रेक्षण गृह के स्टाफ से ही प्लेस ऑफ सेफ्टी में काम चला रहे हैं। होमगार्ड नहीं होने से किशोरों ने केयर टेकर पर हमला किया। संस्था में मनोचिकित्सक की बहुत जरूरत है। इससे बच्चों में अपराध की प्रवृत्ति घट सके। स्वास्थ्य विभाग को इस संबंध में कई बार पत्र भी लिख चुके हैं।

डिवाइडर से टकराई बाइक, एक की मौत दूसरा घायल

इंदौर। नेमावर रोड पर सोमवार देर रात डिवाइडर से बाइक टकराने पर एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल हो गया। आशंका है कि उन्हें किसी बड़े वाहन ने टक्कर मारी है। संयोगितागंज पुलिस के अनुसार मूलत: शुजालपुर के रहने वाले प्रदीप व राहुल उर्फ सूरज राजपूत शहर में बीएड की पढ़ाई कर रहे थे। यहां वह राधा स्वामी नगर में रहकर एक निजी कंपनी में जॉब भी करते थे।

पापा ने बेल्ट से मारा... मम्मी ने बस से उतार दिया

इंदौर। साढ़े तीन साल का मासूम धीरज। चेहरे और पीठ पर जख्मों के गहरे निशान। अकसर उदास बैठा रोता रहता है। जब भी कोई जख्म के बारे में पूछने की कोशिश करता है तो उसके मुंह से एक ही बात निकलती है 'पापा ने बेल्ट से मारा... मम्मी ने छोड़ दिया अपने ही माता-पिता की बर्बरता के शिकार इस मासूम की लावारिस होने की कहानी एक फूल की दुकान से शुरू हुई और अनाथालय तक पहुंच गई। दरअसल बीते मंगलवार को चिड़ियाघर के सामने स्थित फूल की दुकान पर एक महिला साढ़े तीन साल के बच्चे को यह बोलकर छोड़कर गई कि बस में सामान रह गया है दो मिनट में लेकर आती हूं। काफी देर तक महिला बच्चे को लेने के लिए नहीं लौटी। बच्चा रात तक फूल की दुकान चलाने वाली महिला के पास ही बैठा रहा। उसके चेहरे पर चोट के गंभीर निशान थे। तभी मंदिर में एक अधिकारी का आना हुआ। बच्चे की हालत देखकर वे उसे अपने घर ले गए। उन्होंने हफ्तेभर तक बच्चे की देखरेख की। इससे उसकी चोट के निशान भर गए। इस बीच वे रोज फूल की दुकान पर बच्चे के परिजन के बारे में जानकारी लेने जाते। आखिरकार अधिकारी ने बच्चे की जानकारी चाइल्ड लाइन को दी। चाइल्ड लाइन की मदद से बच्चा बाल कल्याण समिति पहुंचा। बाल कल्याण समिति की सदस्य डॉ. सुधा जैन ने उसे बाल गृह में रखने के आदेश दिए। फिलहाल बच्चे की स्थिति ठीक है। बच्चों के बीच भी अकेला महसूस कर रहा है मासूम धीरज बच्चों के बीच भी खुद को अकेला महसूस कर रहा है।

महिलाओं के जेवर उड़ाने में इरानी गैंग का हाथ

इंदौर। पुलिस अफसर बनकर महिलाओं के जेवरात उड़ाने में इरानी गैंग का हाथ सामने आया है। पुलिस ने एक ठगोरे की पहचान भी कर ली है। वह देशभर में ठगी की वारदातें करता है। फिलहाल आरोपी की लोकेशन बैंगलुरु में मिल रही है। डीआईजी हरिनारायणचारी मिश्र के मुताबिक सोमवार सुबह बाइक सवार तीन बदमाशों ने सपना संगीता के समीप भगवानदीन नगर में अच्छा अस्थाना से सोने के कड़े ठग लिए थे। आरोपियों ने खुद को पुलिस अधिकारी बताया और कहा कॉलोनी में रहने वाली पूजा वर्मा के साथ बड़ी वारदात हुई है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए बल तैनात किया गया है। आपने जेवर नहीं उतारे तो पुलिस की नौकरी जा सकती है। महिला ने आरोपी को दोनों हाथों में पहने कड़े निकाल कर दे दिए। पुलिस को एक आरोपी का सीसीटीवी फुटेज मिल गया है। आरोपी इरानी गिरोह का सदस्य है। डीआईजी के मुताबिक इसी गिरोह ने 10 जनवरी को पलासिया के बख्तावर रामनगर में 64 वर्षीय कुसुम सकलेचा को ठगा था। एक बदमाश सीसीटीवी कैमरें में कैद हो गया था। जांच में पता चला आरोपी भोपाल के हनुमानगंज का रहने वाला है।

लोकायुक्त की प्राथमिक कृषि साख पर कार्रवाई

आगर। कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी दीपक परमार एवं उनके सहयोगी को उज्जैन लोकायुक्त पुलिस ने 45000 की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा, शिकायतकर्ता लक्ष्मण सिंह भंडावत गांव स्थित कृषि सहकारी संस्थान के सेल्समैन की शिकायत पर हुई कार्यवाही । थम्ब इम्प्रेशन मशीन के डाटा को दुरुस्त करने के लिए मांगी गई थी रिश्वत। लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक श्री दिलीप कुमार सोनी ने बताया कि दिनांक 03.02.2017 को आवेदक लक्ष्मण सिंह पिता भागवत सिंह सोनगरा निवासी नलखेड़ा जिला आगर मालवा ने लोकायुक्त कार्यालय में शिकायत की थी कि प्राथमिक कृषि साख संस्था में दीपक परमार कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी द्वारा पीएसओ मशीन का निरीक्षण किया गया था मशीन में अधिक मात्रा में खाद्य सामग्री होना बताकर गड़बड़ी हो ना बताई गई गड़बड़ी को सही करने तथा मशीन को संचालन करवाने के एवज में 75000 रिश्वत की मांग की गई थी आवेदक के शिकायत आवेदन पर तस्दीक उपरांत आरोपी दीपक परमार कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी खाद्य विभाग आगर मालवा द्वारा आवेदक को 45 हजार रिश्वत लेकर बुलाया था जो निरीक्षक श्री कमल निगवाल द्वारा विधिवत कार्यवाही करते हुए आरोपी दीपक परमार कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी खाद्य विभाग आगर मालवा को आज दिनांक 09.0 2.2017 को आवेदक लक्ष्मण सिंह से रिश्वत की राशि 45,000 रुपए लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया टीम में निरीक्षक श्री बसंत श्रीवास्तव निरीक्षक श्री कमल निगवाल प्रधान आरक्षक जागन सिंह आरक्षक शिवकुमार शर्मा आरक्षक प्रकाश सती सहायक ग्रेड-3 रमेश डावर की महत्वपूर्ण भूमिका रही

पहल विरोध कर रहे लोगों को भगाने के लिए पुलिस ने फटकारी लाठियां

नगर निगम परिसर में हो गए अतिक्रमण, जेसीबी चलाकर हटाए

उज्जैन। शहर को अतिक्रमण से मुक्त कराने वाले नगर निगम की नाक के नीचे ही इतने अतिक्रमण हो गए कि सोमवार को उन्हें हटाने के लिए भारी मशक्कत करना पड़ी। पुलिस के साए में करीब 40 अतिक्रमण हटाए गए। विरोध के लिए जमा भीड़ को हटाने के लिए पुलिस को लाठियां भी फटकारना पड़ीं।

नगर निगम मुख्यालय के पास नजरअली परिसर में लोगों ने एक धार्मिक स्थल के आसपास अतिक्रमण कर गुमटियां बना लीं। कृषि उपज मंडी गेट के सामने निगम की बाउंड्रीवॉल के सहारे भी लोगों ने गैरेज डाल लिए और दुकानें बना लीं। सोमवार को नगर निगम प्रशासन ने पुलिस फोर्स के साथ यह अतिक्रमण हटाया। सुबह अतिक्रमण हटाने के लिए सभी लोगों को सूचना दी, लेकिन किसी ने भी अपनी दुकान या गुमटी नहीं हटाई। सहायक आयुक्त सुबोध जैन को इसके लिए लोगों से तीखी बहस करना पड़ी। अतिक्रमण हटाने के विरोध में लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। कार्रवाई में खलल होते देख पुलिस बल ने जमीन पर लाठियां फटकार कर उसे दूर किया। निगम की सख्ती के सामने लोगों का विरोध आखिरकार बेकार हो गया। शाम तक निगम की गैंग ने दुकानों व गुमटियों को हटाकर मैदान साफ कर दिया।

कांग्रेस नेता नूरी ने खोला विरोध का मोर्चा : इस कार्रवाई से कांग्रेस तो मौन रही लेकिन अभा कांग्रेस कमेटी सदस्य नूरी खान ने इस कार्रवाई का विरोध किया। खान ने कहा लोगों के अतिक्रमण हटाने के लिए नोटिस क्यों नहीं दिया। इस पर सहायक आयुक्त जैन ने कहा यह नगर निगम की जमीन है। इस पर अतिक्रमण हटाने के लिए नोटिस नहीं देंगे, सीधी कार्रवाई करेंगे। बहस के दौरान खान ने सिंहस्थ क्षेत्र के अतिक्रमण न हटाने का आरोप भी लगाया। कहा प्रभावशाली लोगों के अतिक्रमण नहीं हटाए जा रहे और यहां सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसको लेकर खान ने धरना देकर भी विरोध प्रदर्शन किया, लेकिन निगम की कार्रवाई नहीं रुकी। मंगलवार सुबह 11 बजे वे मुख्यमंत्री व कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष कार्रवाई की मांग करेंगी। महिला पुलिस को करना पड़ी मशक्कत: निगम की कार्रवाई का विरोध कर रही नूरी खान को महिला पुलिस के माध्यम से हटाया गया। महिला पुलिस ने उन्हें उठाकर परिसर से दूर किया। इसके लिए पुलिस को काफी जद्दोजहद करना पड़ी। बाद में फाजलपुरा रोड पर खान ने धरना दिया।

इसलिए निगम हुआ सख्त: नगर निगम की नाक के नीचे ही नजरअली परिसर में अतिक्रमण होते रहे और निगम प्रशासन अब तक कुछ नहीं कर सका। सोमवार को अचानकर निगम इतना सख्त इसलिए हुआ, क्योंकि 8 फरवरी को नगरोदय अभियान के तहत पात्र हितग्राहियों को सामग्रियों का वितरण किया जाएगा। इसके लिए निगम परिसर में समारोह आयोजित होगा। इस आयोजन के तहत पार्किंग आदि की व्यवस्था की जाएगी। आयोजन की तैयारी के दौरान निगम प्रशासन को अतिक्रमण नजर आए। परिसर की बाउंड्रीवाल गाड़ी अड्डा चौराहा के पास से टूटी हुई है। इस कारण लोग परिसर में प्रवेश कर अतिक्रमण कर लेते हैं। नगरोदय अभियान में 5 हजार हितग्राही होंगे लाभान्वित: नगर निगम के उपायुक्त मनोज पाठक ने बताया नगरोदय अभियान के तहत 8 फरवरी को प्रदेशभर में सभी निकायों में सामूहिक आयोजन कर हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएगा। शहर में 5 हजार हितग्राहियों का चयन किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ऊर्जा मंत्री पारस जैन होंगे। समारोह में पात्र हितग्राहियों को गैस चूल्हा, लाड़ली लक्ष्मी योजना, पेंशन, चक्रियनिधि की राशि, प्रधानमंत्री आवास योजना आदि के आवंटन पत्र प्रदान किए जाएंगे।

प्रदेश में अगले सत्र से दीक्षांत में नहीं पहना जाएगा गाउन

उज्जैन। गाउन को लेकर कोई विवाद नहीं है। गाउन को लेकर सरकार पहले ही सैद्धांतिक निर्णय कर चुकी है। हम अगले सत्र में भारतीय परिधान में दीक्षांत समारोह कराएंगे। इस परिधान का प्रारूप कुलपतियों की समिति को तय करना है। प्रारूप तय कर समन्वय समिति में महामहिम के अंतिम अनुमोदन के लिए लाएंगे।

उद्यानिकी फसलों में माइक्रो इरिगेशन क्षेत्र बढ़ाने की कार्य-योजना बनायें

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने उद्यानिकी विभाग की समीक्षा की

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने निर्देश दिये हैं कि उद्यानिकी फसलों में माइक्रो इरिगेशन का क्षेत्र बढ़ाने की कार्य-योजना बनायें। नर्मदा नदी के दोनों तट पर एक लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फलदार वृक्ष लगाने का कार्य प्राथमिकता से करें। सब्जी क्षेत्र विस्तार के लिए माँग और आपूर्ति के अनुसार इस तरह योजना बनायें जिससे किसानों को नुकसान नहीं हो। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने यहाँ उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण विभाग की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण राज्य मंत्री श्री सूर्यप्रकाश मीना और मुख्य सचिव श्री बी.पी. सिंह भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि कांन्ट्रेक्ट फार्मिंग को प्रोत्साहित करें जिससे बाजार में उद्यानिकी फसलों के मूल्यों में होने वाले उतार-चढ़ाव से किसानों को नुकसान नहीं हो। उद्यानिकी फसलों में खाद्य प्र-संस्करण को बढ़ावा देने के प्रयास करें। जिन उद्यानिकी फसलों की देश-विदेश में माँग हो और बाजार में संभावनाएँ हो, उन फसलों का उत्पादन बढ़ाने की रणनीति बनायें। उद्यानिकी फसलों में ड्रिप और स्प्रिंकलर पद्धति को प्रोत्साहित करें। विभागीय अमले के प्रशिक्षण की बेहतर व्यवस्था करें। बताया गया कि विभाग में सभी स्वीकृतियाँ ऑनलाईन की गई हैं, जिन्हें विभागीय पोर्टल पर कोई भी देख सकता है। विभाग द्वारा 2490 गाँव को शामिल कर फल रूट तथा क्लस्टर निर्माण किये गये हैं। समस्त योजनाओं में अनुदान का भुगतान हितग्राही के बैंक खाते में सीधे जमा हो रहा है। विभिन्न योजनाओं में 7753 हितग्राही को सफल प्रक्षेत्रों का भ्रमण कराया गया है। विभाग द्वारा 5 मॉडल क्लस्टर विकसित किये गये हैं। इनमें शिवपुरी जिले में टमाटर, छिंदवाड़ा में सब्जी, इंदौर जिले में आलू एवं गाजर तथा देवास जिले में आलू का क्लस्टर विकसित किया गया है। नर्मदा के दोनों तटों से एक-एक किलोमीटर निजी भूमि में फलोद्यान विकास की योजना बनाई गई है। किसानों को तकनीकी सलाह देने के लिए 22 विशेषज्ञ को सूचीबद्ध किया गया है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना में 41 हजार 713 हेक्टेयर क्षेत्र में ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई की व्यवस्था की गई है। फसलोत्तर प्रबंधन में जारी वित्तीय वर्ष में 8120 प्याज भंडार गृह और 70 शीत गृह निर्माण किए गए हैं। नींबू वर्गीय फलों के लिए शाजापुर जिले में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस तथा फ्लोरीकल्चर के लिए सीहोर जिले में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्वीकृत हुआ है।

बैठक में अपर मुख्य सचिव कृषि श्री पी.सी. मीना और प्रमुख सचिव उद्यानिकी श्री अशोक वर्णवाल सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

ओला-प्रभावित फसलों का होगा शत-प्रतिशत सर्वे

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि चंबल संभाग के भिण्ड, मुरैना और श्योपुरवासियों के विकास की जीवन-रेखा को जोड़ने के लिए चंबल एक्सप्रेस-वे बनाने का निर्णय प्रदेश सरकार ने लिया है। इस एक्सप्रेस-वे के बन जाने से चंबल क्षेत्र के बीहड़ में उद्योग सहित अन्य विकास आसानी से हो सकेंगे। एक्सप्रेस-वे उत्तर प्रदेश एवं राजस्थान को जोड़ेगा। श्री चौहान ने कहा कि ओला-प्रभावित फसलों का शत-प्रतिशत सर्वे करवाकर राहत राशि उपलब्ध करवायी जायेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने भिण्ड जिले के गिरगाँव में किसानों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मुरैना, ग्वालियर, दतिया, शिवपुरी की भी फसलें प्रभावित हुई हैं। इन क्षेत्रों में भी सर्वे करवाकर किसानों को पूरी राहत दी जाएगी। उन्होंने कहा कि जिन किसानों ने अपनी फसल का बीमा करवाया है, उन्हें 25 प्रतिशत राशि प्राथमिक आकलन के बाद दिलवाई जाएगी, बाद में पूरा भुगतान करवाया जाएगा। सरकार इसकी खुद मॉनीटरिंग करेगी। जिन किसानों ने फसल का बीमा नहीं करवाया है, उनकी भरपाई सरकार खुद कराएगी। जिन किसानों की फसलों का नुकसान 50 प्रतिशत से ज्यादा हुआ है, उनकी बेटियों के विवाह के लिए सरकार 25 हजार रुपए की आर्थिक सहायता मुहैया करवाएगी। साथ ही ओला प्रभावित किसानों की कर्ज वसूली स्थगित की जाएगी। कर्ज का ब्याज सरकार भरेगी। किसानों को आगामी फसलों के लिए जीरो प्रतिशत ब्याज पर खाद-बीज के लिये ऋण उपलब्ध करवाया जायेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ओला एवं बेमौसम बारिश से उत्पन्न संकट की इस घड़ी में सरकार किसानों के साथ खड़ी है। फसलों की क्षति का तत्परता से आकलन करवाया जा रहा है। किसानों को शीघ्र ही राहत मुहैया करवाई जाएगी। उन्होंने जिला प्रशासन को हिदायत देते हुए कहा कि पूरी ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ फसलों का सर्वेक्षण करवाया जाए। क्षति के आकलन के बाद प्रभावित किसानों की सूची ग्राम पंचायत पर चस्पा की जाएगी। अगर किसानों को कोई आपत्ति हो तो वे पुनः अपने खेत का सर्वे भी करवा सकते हैं।

प्रदेश में हर गरीब परिवार के पास होगा अपना पक्का मकान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में प्रत्येक गरीब परिवार को आवासीय भूमि का पट्टा दिया जायेगा और राज्य शासन की योजना में उनके लिये मकान का निर्माण भी करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान रीवा जिले के ग्राम ओझापूर्वा में जन-समुदाय को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद श्रीमठ बाघम्बरी गद्दी बड़े हनुमान त्रिवेणी बाँध प्रयाग इलाहाबाद के अध्यक्ष महन्त नरेन्द्र गिरि श्री महाराज और मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती साधना सिंह मौजूद थीं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश शासन के आनन्दम विभाग की नीति के अनुसार एक अनुपम उदाहरण है। गुरू महन्त नरेन्द्र गिरि जी महाराज ने अपने निर्धन शिष्य शिवेक मिश्रा को एक शानदार मकान का निर्माण कर प्रदान किया है। उन्होंने कहा मध्यप्रदेश सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक व्यक्ति सुख, शांति, समृद्धि और आनन्द के साथ जीवन जियें। मन को आनन्द धन और पद से नहीं मिलता है, जिसके पास कुछ नहीं है उसे सम्बल, सहयोग देने उसके सुख के लिये सभी प्रयास करने में ही आनन्द है। मध्यप्रदेश सरकार ने भी आनन्द विभाग का गठन कर इसी दिशा में प्रयास शुरू किये हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने महन्त नरेन्द्र गिरि जी महाराज को आनन्दम विभाग का प्रमाण-पत्र ससम्मान प्रदान करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश शासन उनका सम्मान और आदर कर रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि छात्र-छात्राओं को प्राथमिक, माध्यमिक, उच्चतर और उच्च शिक्षा पाने में आने वाली हर बाधा को राज्य सरकार ने दूर किया है। अब किसी भी गरीब परिवार के छात्र को उच्च शिक्षा पाने में फीस की चिन्ता नहीं करनी पड़ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रत्येक युवा के लिये रोजगार की चिन्ता की है। उन्होंने कहा कि अगले एक वर्ष में साढ़े सात लाख युवाओं को स्व-रोजगार में स्थापित करने का लक्ष्य है। राज्य सरकार युवाओं को इसके लिये ऋण प्रदान करायेगी तथा ऋण की सुगमतापूर्वक वापसी की जिम्मेदारी भी राज्य सरकार लेगी। मुख्यमंत्री ने गाँव की कक्षा 8वीं तक की शाला का कक्षा 10वीं तक उन्नयन करने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में एक स्वास्थ्य केन्द्र प्रारम्भ होगा।

पहल

महिलाओं के तथाकथित उत्पीडन की निष्पक्ष जाँच होगी

जो जनता को परेशान करेगा, दादागिरी करेगा उसे नहीं छोड़ा जायेगा

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि जो भी जनता को परेशान करेगा, दादागिरी करेगा, विकास के काम में अड़ंगा डालेगा, उसे नहीं छोड़ा जायेगा। उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने गुंडों, बदमाशों और माफियागिरी करने वालों से कहा कि वे मध्यप्रदेश छोडकर चले जायें नहीं तो पुलिस उन्हें नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सम्मान पर कभी आँच नहीं आने दी जायेगी। मुख्यमंत्री ने यहाँ अपने निवास पर धार जिले से आये पीड़ित जनजातीय लोगों से चर्चा कर रहे थे। धार जिले के गंधवानी विधानसभा क्षेत्र के गाँवों से बड़ी संख्या में आये जनजातीय समुदाय के लोगों ने मुख्यमंत्री को बताया कि वे लोग स्थानीय बदमाशों की गुण्डागर्दी से परेशान हैं। पुलिस जब आदतन अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करती है तो पुलिस पर आरोप लगवाते हैं। कुछ आदिवासी समुदाय के ही परिवार आदतन अपराधों में लिप्त हैं। गाँव के विकास की गतिविधियों में बाधा डालते हैं। मुख्यमंत्री को यह भी बताया कि तथाकथित बलात्कार पीड़ित महिलाओं के पति और परिवार के लोग स्वयं अपराधी प्रवृत्ति के हैं। उन्होंने बताया कि ऐसा कोई कृत्य नहीं हुआ है।

मुख्यमंत्री ने इस पर कहा कि संबंधित घटना की निष्पक्ष जाँच होगी और जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि पुलिस को निर्देश दिये गये हैं कि जनता के लिये फूल से ज्यादा कोमल और बदमाशों के लिये वज्र से ज्यादा कठोर बन जायें। चोरी, डकैती, गुंडागर्दी को संरक्षण देने वाले और उन्हें प्रोत्साहित करने वालों को नहीं छोड़ा जायेगा। पुलिस से साफ कहा गया है कि बदमाशों को मत छोड़ो, उन्हें कुचल डालो। चोरों बदमाशों को ठीक करके ही चैन की साँस लेंगे। बदमाशों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में कानून का राज स्थापित है। आदिवासी बहुल क्षेत्रों में पूरी गति से विकास कार्य करें। युवाओं को रोजगार देंगे। सड़कें, नहरें, बिजली पानी सब उपलब्ध रहेगा। जनता के ऊपर दादागिरी करने वालों को नहीं छोड़ा जायेगा। इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री श्री रामपाल सिंह, सहकारिता राज्य मंत्री श्री विश्वास सारंग, जनजातीय समाज के नेता मलसिंह भाई, धार भाजपा अध्यक्ष श्री बर्फा और पाँच सौ से ज्यादा आदिवासी भाई उपस्थित थे।

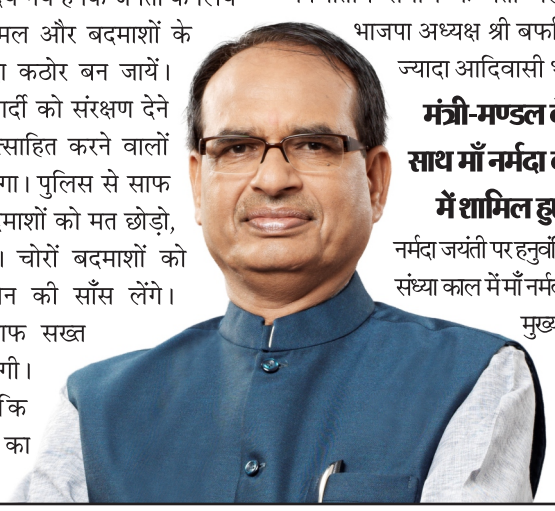

मंत्री-मण्डल के सदस्यों के साथ माँ नर्मदा की महा आरती में शामिल हुए श्री चौहान

नर्मदा जयंती पर हनुवंतिया में नर्मदा तट पर संध्या काल में माँ नर्मदा की महा आरती में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान सपत्निक प्रदेश के मंत्री-मण्डल के सदस्यों के साथ शामिल हुए। श्री चौहान ने मूंदी में सामूहिक विवाह सम्मेलन में शामिल 45 नव-दम्पत्ति को उपहार भेंट किये तथा सभी नव-वधुओं के खाते में उपहार स्वरूप 25-25 हजार रूपये जमा करवाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मंत्री-मण्डल के सदस्यों के साथ नर्मदाष्टक का सामूहिक गायन भी किया। इस दौरान धर्मगुरू एवं नर्मदा सेवा समिति के सदस्य स्वामी अखिलेशानंद, नमः शिवाय मिशन ट्रस्ट शिव कोटी ओंकारेश्वर के स्वामी शिवोहम भारती, गजासिन शनि मंदिर इंदौर के महामण्डलेश्वर श्री दादू महाराज भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने नर्मदा आरती से पूर्व 9 कन्याओं का चरण-पूजन भी किया। मुख्यमंत्री ने उपस्थित श्रद्धालुओं को नर्मदा तट पर फलदार वृक्ष लगाने, बेटी बचाओ अभियान को सफल बनाने, बच्चों को स्कूल में पढ़ाने, नदी में पूजा की पुरानी सामग्री न डालने, दुर्गा विसर्जन और गणेश विसर्जन के दौरान मूर्तियों को नदियों में विसर्जित न करने, नर्मदा तट पर अंतिम संस्कार न करने, नर्मदा नदी में पॉलिथिन और प्रदूषण बढ़ाने वाली अन्य सामग्री विसर्जित न करने तथा प्लास्टिक के दीपकों से नर्मदा में दीपदान न करने का संकल्प दिलाया।

सम्पादकीय

नव स्वास्थ्य की भोर

आम आदमी का स्वास्थ्य मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। गरीबों विशेषकर गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य की जैसी परवाह पिछले 11 वर्षों में हुई वैसी पहले कभी नहीं हुई। कमजोर तबकों की बीमारी सहायता में आज मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान राशि का सैकड़ों गुना अधिक भाग खर्च हो रहा है। राज्य बीमारी सहायता निधि में गंभीर बीमारी से ग्रसित कमजोर तबके के लोग देश के किसी भी अस्पताल में अपना इलाज करा सकते हैं। अधोसंरचना सुदृढ़ होने के साथ साफ-सफाई में भी शासकीय अस्पताल निजी अस्पतालों को टक्कर देने लगे हैं। भावी पीढ़ी बीमार ही न पड़े, उसका बेहतर मानसिक और शारीरिक विकास हो, इसके लिये मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा आरंभ किया गया सूर्य नमस्कार छात्रों में एक संस्कार बन चुका है।

मातृ मृत्यु दर में कमी : प्रदेश में लगातार किये गये प्रयासों के फलस्वरूप मातृ-शिशु मृत्यु दर में कमी आई है। राष्ट्रीय औसत प्रति हजार पर 56 के विरुद्ध मध्यप्रदेश में यह घटकर 45 हो गया है। सर्वाधिक गिरावट वाले राज्यों में मध्यप्रदेश दूसरे स्थान पर है। मातृ मृत्यु दर वर्ष 2003 में 379 प्रति लाख जीवित जन्म से घटकर वर्ष 2011-12 में 221 हो गई है। जुलाई 2011 से जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम संचालित है। इसमें हर साल शासकीय अस्पतालों में प्रसव कराने वाली लगभग 11 लाख महिलाओं को लाभान्वित किया जा रहा है। संस्थागत प्रसव 28.3 से बढ़कर 73.3 हो गया है। गर्भवती महिलाओं की पहले तीन प्रसव पूर्व जाँच मात्र 34 प्रतिशत थी, जो करीब 72 प्रतिशत प्रतिवर्ष हो गई है। भोपाल, ग्वालियर, इंदौर एवं रीवा जिलों में स्किल लेब की स्थापना कर मातृ-शिशु दर कम करने के लिये 2818 सेवा प्रदाताओं को प्रशिक्षित किया गया।

शिशु मृत्यु दर में गिरावट : शिशु मृत्यु दर में भी गिरावट आई है। वर्ष 2004 में यह दर 79 प्रति हजार जीवित जन्म थी, जो 2013 में 54 औ 2015-16 में पुनच्घटकर 51 प्रतिशत हो गई। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण में 16 राज्यों की रिपोर्ट जारी हुई है जिनमें मध्यप्रदेश में सर्वाधिक सुधार हुआ है। प्रत्येक जिले में नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई की स्थापना कर लगभग 5 लाख शिशुओं का उपचार किया गया। साथ ही समुचित देखभाल के 1364 न्यूबोर्न कार्नर भी स्थापित हैं। बच्चों में निमोनिया, दस्त रोगों को रोकने के विशेष प्रयास किये गये हैं। जुलाई 2015 में प्रदेश को न्यूबोर्न सर्वाइवल राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला।

गंभीर कुपोषण दर में भी कमी : राष्ट्रीय परिवार एवं स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार वर्ष 2005-06 में गंभीर कुपोषण की दर 12.6 प्रतिशत थी, जो वर्ष 2015-16 में घटकर 9.2 प्रतिशत हो गई। बाल मृत्यु दर में 28 अंकों की गिरावट दर्ज की गई। सर्वेक्षण-3 में यह दर वर्ष 2005-06 में 93 प्रति हजार जीवित जन्म थी, जो सर्वेक्षण-4 में 65 रह गई। प्रदेश के 315 पोषण पुनर्वास केन्द्रों में अब तक साढ़े 4 लाख से अधिक बच्चों को उपचारित किया जा चुका है। सभी जिला अस्पतालों को शिशु हितैषी अस्पताल बनाया गया है। बच्चों में सूक्ष्म पोषक तत्वों के लिये हर साल दो बार बाल सुरक्षा माह आयोजित कर 9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन 'ए' का घोल पिलाया जाता है। वर्ष 2016-17 के प्रथम चरण में 77 लाख 46 हजार बच्चों को विटामिन 'ए' का घोल पिलाया गया। बच्चों में रक्त अल्पता का दोष न हो इसके लिये 70 हजार 669 माध्यमिक, उच्चतर माध्यमिक 85 हजार और 113 प्राथमिक विद्यालय और 92 हजार 195 आँगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से छः माह से 19 वर्ष तक के बालक-बालिकाओं के लिये नेशनल आयरन प्लस इनिशेटिव कार्यक्रम संचालित है। दिसम्बर 2013 से जीरो से 18 वर्ष के बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण का कार्यक्रम भी चालू है। जिसमें मोबाइल हैल्थ टीम द्वारा अब तक सवा तीन करोड़ से अधिक बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इनमें 17 लाख से अधिक बच्चों को निःशुल्क दवाइयाँ एवं 22 हजार से अधिक बच्चों की निःशुल्क सर्जरी शामिल है। प्रदेश में विकास खण्ड स्तर पर 595 मोबाइल हैल्थ टीम कार्यरत हैं।

सभी जिलों में किशोर स्वास्थ्य क्लनिक : प्रदेश में अप्रैल 2014 से आरंभ राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम में सभी जिला अस्पताल में किशोर स्वास्थ्य क्लीनिक स्थापित किये जाकर किशोरों को निःशुल्क परामर्श सेवा शुरू की गई। ग्यारह जिलों के 77 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भी यह क्लीनिक स्थापित हैं। वर्ष 2012-13 में 8 जिलों श्योपुर, शिवपुरी, भिण्ड, मुरैना, दतिया, विदिश, गुना एवं सागर में आरंभ माहवारी स्वच्छता योजना में आशा कार्यकर्ताओं ने किशोरियों को साढ़े 28 लाख से अधिक सेनेटरी नेपकिन उपलब्ध करवायें। किशोरों को निःशुल्क स्वास्थ्य जानकारी देने के लिये टोल फ्री नं. 18002331250 हेल्पलाइन वर्ष 2014 में आरंभ की गई। वर्ष 2015 में सभी 51 जिला अस्पतालों में स्वास्थ संवाद केन्द्र और 11 जिले अलीराजपुर, बड़वानी, झाबुआ, पन्ना, छतरपुर, डिण्डोरी, मण्डला, सतना, सिंगरोली एवं शहडोल में किशोरों के लिये समुदाय आधारित सेवाएँ आरंभ की गई। किशोरों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देने के लिये 'साथिया' नाम का एप बनाया गया।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का सफल क्रियान्वयन : प्रदेश में वर्ष 2013-14 से प्रारंभ राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में 136 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के जरिये साढ़े 25 लाख से अधिक मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएँ दी गई है। मिशन को बेसलाइन कार्य पूर्ण करने के लिये वर्ष 2015-16 में राजस्थान सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर के उत्कृष्टता अवार्ड से नवाजा गया है।

- पराग वराडपांडे

प्रदेश नदी संरक्षण का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनेगा

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने यहाँ मंत्रालय में समाधान ऑन लाइन में 12 आवेदकों की समस्याओं का मौके पर समाधान करवाया। उन्होंने कार्य में लापरवाही बरतने के मामले में 14 के विरूद्ध दंडात्मक कार्रवाई के निर्देश दिये।

हर स्कूल से जुड़े स्वयं सेवक: मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि नर्मदा सेवा यात्रा को मिला जन-समर्थन अभूतपूर्व है। इसे और आगे बढ़ाने के लिये नर्मदा सेवा मिशन का गठन किया गया है जिसमें वन, राजस्व और नर्मदा घाटी प्राधिकरण के विभागों को शामिल किया गया है। कलेक्टर इसका नेतृत्व करें। नर्मदा तट के अतिरिक्त जिलों से भी उप यात्राएँ निकलवायी जायें। प्रदेश को नदी संरक्षण का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाना है। अन्य नदियों के संरक्षण के लिये भी शीघ्र ही प्रयास किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि 'मिल-बाँचे मध्यप्रदेश' अभियान में हर स्कूल से एक स्वयंसेवक जुड़ जायें, इसकी सुनिश्चितता की जाये। नगर उदय अभियान में वार्ड के रहवासी भी शामिल हों। उन्होंने डाइवर्सन कार्य पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये। श्री चौहान ने अवैध उत्खनन के मामलों में कठोरतम कार्रवाई करने के साथ ही नर्मदा के तटवर्ती जिलों में उत्खनन कार्य की गंभीर चौकसी करने और की गई कार्रवाई का साप्ताहिक प्रतिवेदन भेजने को कहा। इस अवसर पर अवैध उत्खनन के विरूद्ध कार्रवाईयों के लिये कलेक्टर पन्ना को बधाई दी गई।

बैंक अधिकारियों पर होगी सख्त कार्रवाई : मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने समाधान ऑनलाइन के दौरान बैंक अधिकारियों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई के निर्देश संबंधित बैंकों के वरिष्ठ अधिकारियों को दिये। मुख्यमंत्री स्व-रोजगार योजना और अंत्यावसायी सहकारी समिति के ऋण वितरण कार्य में गड़बड़ी करने के मामले में राजगढ़ जिले के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की ब्यावरा शाखा प्रबंधक और नर्मदा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारियों पर कार्रवाई की जायेगी। राजगढ़ जिले के श्री हेमंत को सेंट्रिंग कार्य के लिये जिला अंतव्यावसायी सहकारी विकास समिति द्वारा 3 लाख रूपये का ऋण स्वीकृत कर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, शाखा ब्यावरा को भेजा गया था। प्रकरण में शाखा प्रबंधक ने आवेदक से 50 हजार रूपये की सावधि जमा करवाने के बाद ही ऋण का भुगतान करने को कहा। मुख्यमंत्री ने इस पर गहरी अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए शाखा प्रबंधक के विरूद्ध कार्रवाई के लिये कहा। मुख्यमंत्री को बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि वे संबंधित शाखा प्रबंधक श्री अविनाश मिश्रा के विरूद्ध कठोर कार्रवाई करेंगे। मुख्यमंत्री स्व-रोजगार योजना में ऋण प्राप्त करने वाले धार जिले के श्री विकास श्रीवास्तव को अनुदान राशि नहीं दिये जाने के प्रकरण में भी नर्मदा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के श्रेत्रीय कार्यालय के दोषी अधिकारियों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई करने का आश्वासन क्षेत्रीय प्रबंधक द्वारा दिया गया। उन्होंने बताया कि अनुदान राशि और उस पर विलम्ब ब्याज सहित राशि 15 हजार रूपये का भुगतान आवेदक को कर दिया गया है।

कानून एवं व्यवस्था पर चर्चा की: मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कानून-व्यवस्था पर पुलिस प्रशासन के अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि पुलिस महानिरीक्षक निरंतर रेंज का भ्रमण करते रहें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में माफिया पनपने नहीं पायें। उनके विरूद्ध कठोरतम कार्रवाई की जाये। पुलिस की कार्रवाई ऐसी हो कि अपराधी या तो जेल में रहें अथवा राज्य छोड़कर चले जायें। बदमाशों को नेस्तनाबूद कर दिया जाये। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नक्सलवाद को भी पैर पसारने का अवसर नहीं मिलना चाहिये। सीमावर्ती जिलों के अधिकारियों को अंतर्राज्यीय समन्वय कर कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिये गये। उन्होंने महिलाओं पर अपराधों के मामले में चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि बेटियाँ देवियाँ होती हैं। उनका अपमान बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। आदतन अपराधी और विकृत मानसिकता वालों के विरूद्ध कठोरतम कार्रवाई को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाये। मुख्यमंत्री ने समाधान ऑनलाइन में प्राप्त प्रकरणों की पृथक-पृथक समीक्षा की। विगत समाधान ऑन लाइन के पालन प्रतिवेदन की जानकारी भी ली। विगत समाधान ऑन लाइन की कार्रवाई में उदासीनता बरतने के प्रकरण में संबंधित संयुक्त संचालक उद्योग को निलंबित करने के निर्देश दिये।

SAAP SOLUTION

Explore New Digital World

- All Types of Website Designing
  - Business Promotion, Lease Website
  - Industrial Product Promotion through industrialproduct.in
  - Get 2GB corporate mail account @ Rs 1500/- Per Annum per mail account with advance sharing feature
- Logo Designing by Experts
- Bulk SMS Services

For more details visit our website saapsolution.com
For enquires contact on 9425313619,
Email: info@saapsolution.com

करेले के ये 5 फायदे आपको कर देंगे हैरान...

करेला खाने में भले ही कड़वा होता है लेकिन इसके फायदे आपको हैरान कर देंगे. करेला कई रोगों को दूर करने में सहायक होता है. जानते हैं इसके फायदे:

1. सिरदर्द दूर करता है: करेले की ताजी पत्तियों को पीस कर माथे पर लगाने से सिरदर्द से आराम मिलता है.

2. घाव ठीक करता है: घाव पर करेले के जड़ को पीस कर लगाने से घाव पक जाता है और मवाद भी निकल जाता है. इससे घाव जल्दी ठीक हो जाता है. अगर आपके पास करेले का जड़ नहीं है तो इसकी पत्तियों को पीस कर गर्म करके पट्टी बांध लें. इससे फोड़ा पक जाएगा और पस भी निकल जाएगी.

3. घुटने के दर्द में फायदेमंद: कच्चे करेले को आग में भूनकर, फिर मसल कर रुई में लपेट कर घुटने में बांधने से घुटने के दर्द में आराम मिलता है.

4. पथरी में भी लाभदायक: करेले के रस को पीने से पथरी में आराम मिलता है.

5. मुंह के छालों से निजात दिलाता है: करेला मुंह के छालों के लिए अचूक दवा है. करेले की पत्तियों का रस निकालकर उसमें थोड़ मुलतानी मिट्टी मिलाकर पेस्ट बना लें और मुंह के छालों पर लगाएं. मुलतानी मिट्टी ना मिले तो करेले के रस में रूई को डुबोकर छाले वाली जगह पर लगाएं और लाह को बाहर आने दें. इससे मुंह के छाले ठीक हो जाएंगे.

बच्चों को एलर्जी से बचाने के लिए बचपन से खिलाएं मूंगफली

हालिया शोध में यह दावा किया गया है कि अगर बच्चों में छह महीने की उम्र से ही मूंगफली खाने की आदत विकसित की जाए तो उनमें आगे चलकर एलर्जी और संक्रामक बीमारियों का खतरा कम हो जाता है.

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एलर्जी एंड इंफेक्शन्स डिजीज द्वारा जारी नये दिशा-निर्देशों में इस बात का खुलासा किया गया है.

सर्दी में बीमारियों से बचने के लिए खाएं सिर्फ ये एक चीज...

इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर डॉ. एंथोनी फौसी के मुताबिक बच्चों में सबसे ज्यादा फूड एलर्जी देखने को मिलती है. छोटी उम्र से बच्चों को मुंगफली खिलाकर फूड एलर्जी के खतरे को बिल्कुल कम किया जा सकता है.

हालांकि निर्देशों में यह बात स्पष्ट की गई है कि हालांकि छोटे बच्चों को कभी भी साबुत मूंगफली खाने को न दें. उसका पेस्ट या चूरा बना कर बच्चों को खिला सकते हैं.

अमेरिकन कॉलेज ऑफ एलर्जी, अस्थमा और इम्यूनोलॉजी के चेयरमैन डॉ. मैथ्यू ग्रीनहॉट ने कहा कि इस तरह आप बच्चे में एलर्जी को पनपने से पहले ही रोक सकते हैं.

खाने के बीच में पीते हैं पानी तो ये हो सकता है नुकसान

अगर आप भी खाने के बीच में पानी पीते हैं, तो यह आदत जितनी जल्दी हो सके, बदल दें. हालिया अध्ययन की रिपोर्ट में इस आदत को सेहत के लिए खतरनाक बताया गया है.

खाने के बीच में पानी या सॉफ्ट ड्रिंक पीने की आदत पेट की सेहत पर भारी पड़ सकती है. यही नहीं यह आपके प्रतिरोधक क्षमता को भी प्रभावित कर सकता है. जानें कैसे....

इंसुलिन का स्तर बढ़ता है

खाने के बीच पानी पीने से शरीर में इंसुलिन का स्तर बढ़ जाता है. इससे हमारा पाचन तंत्र भी प्रभावित होता है. यहां तक कि इससे खून ग्लूकोज के बढ़ने का खतरा भी रहता है.

बन सकता है मोटापे की वजह

खाने के बीच सॉफ्ट ड्रिंक्स और पानी पीने की आदत मोटापे की वजह बन सकती है. दरअसल, खाने के बीच में पानी पीने से पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है और इंसुलिन का स्तर भी बढ़ जाता है. इसकी वजह से शरीर में वसा का जमाव बढ़ जाता है, जिससे वजन बढ़ता है.

एसिडिटी होती है

खाने के बीच में पानी पीने से खाने की पाचन क्रिया धीमी हो जाती है. खाना पेट में ज्यादा देर तक रहने की वजह से एसिडिटी होने लगती है. पेट, छाती और गले जलन भी इसी वजह से होती है.

गोरी और निखरी त्वचा चाहिए तो आपनाएं ये 5 टिप्स

गोरी और निखरी त्वचा पाना हर लड़की का ख्वाब होता है. पर सिर्फ क्रीम लगाने या फेशियल कराने से त्वचा नहीं निखरती और इसके लिए तो छोटी-छोटी बातों का ख्याल रखना ही काफी है.

यहां कुछ ऐसे टिप्स दिए गए हैं, जिनकी मदद से आपकी त्वचा हमेशा खिली-खिली रहेगी...

पानी पीजिए : जी हां, खूबसूरत त्वचा की सबसे पहली शर्त है खूब सारा पानी पीना. खासतौर से गर्मियों में तो पर्याप्त पानी पीना बहुत जरूरी है. इससे न केवल शरीर से गंदगी निकलती है, बल्कि बॉडी में नये सेल्स भी बनते हैं.

ताजा जूस : खूबसूरत और चमकदार त्वचा चाहिए तो अपने दिनचर्या में जूस को शामिल कर लें. जूस पीने से आपकी सेहत में भी सुधार होगा और स्किन पर भी ग्लो आ जाएगा.

नींद है जरूरी

नींद पूरी न हो तो हमारे सोचने समझने की शक्ति प्रभावित होती है. इसका असर हमारी स्किन पर भी होता है. इसलिए आठ घंटे की नींद जरूर लें.

विटामिन सी का भरपूर उपयोग

अपने खानपान में विटामिन सी को शामिल करें. मसलन, नींबू, संतरा आदि. विटामिन सी त्वचा के लिए बहुत ही उपयोगी होती है. गर्म पानी में नींबू का रस डालकर पीयें या सलाद में नींबू डालकर खाएं.

रोजाना पीयें अनार का जूस

गाल गुलाबी चाहिए तो रोजाना अनार का जूस पीयें. इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन ई होता है. विटामिन ई से त्वचा खूबसूरत और दमकदार बनती है.

आयुर्वेद व होमियोपैथी के अनुभवी डॉक्टरों द्वारा घर बैठे पायें उचित परामर्श व दवाईयां

आयुष समाधान

- सभी रोगों का अनुभवी डॉक्टरों द्वारा होमियोपैथी व आर्युवेद पद्धति से इलाज किया जाता है।
- रूपये 500/- से अधिक की दवाईयों पर निःशुल्क डिलेवरी
- किसी भी प्रकार की एलर्जी का इलाज किया जाता है।
- यौन रोगियों का सम्पूर्ण इलाज किया जाता है।
- रजिस्टर्ड डायटीशियन से वजन कम करने हेतु व अपने सही डाईट प्लान हेतु सम्पर्क करें

Email: info@ayushsamadhaan.com

www.ayushsamadhaan.com

FOR MORE DETAILS & BENIFITS VISIT OUR WEBSITE FOR REGISTRATION

आपमें हैं टैलेंट को संवारने का हुनर, तो इस क्षेत्र में बनाएं केरियर

प्रतिस्पर्धा के दौर में, जब प्रतिभाओं को अपने साथ जोड़े रखना और संवारना बेहद अहम हो गया है, तब ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट करियर बनाने के लिहाज से एक आकर्षक ऑप्शन बन गया है।

लोगों को मैनेज करना किसी भी बिजनेस की सफलता के लिए महत्वपूर्ण हो गया है। कंपनी का आकार और कार्यक्षेत्र चाहे जो हो, वह अपने यहां काम कर रहे लोगों की क्षमताओं और प्रदर्शन के बल पर ही फलती-फूलती है। उनकी क्षमताओं में वृद्धि करना और उच्च दर्जे के प्रदर्शन को बढ़ावा देना ह्यूमन रिसोर्स (एचआर) विभाग का मूल काम है। वक्त की जरूरत लगातार बढ़ती स्थानीय और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के मद्देनजर कंपनियों के लिए यह अपरिहार्य हो गया है कि सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएं उनके साथ बनी रहें। इसके लिए जरूरी है कि प्रतिभाओं को उस संस्थान में रहते हुए ही अपने विकास का मौका मिले। यह भी जरूरी है कि ऐसी रणनीति बनाई जाए, जिससे भविष्य के लीडर्स की पहचान कर उन्हें तैयार किया जा सके। यही कारण है कि आज एचआर का क्षेत्र बेहद चुनौतीभरा हो गया है। इन चुनौतियों पर खरा उतरकर जॉब में बेहतर संतुष्टि भी पाई जा सकती है।

किस तरह के कोर्स?

जो युवा एचआर में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं, उनके लिए दो तरह के कोर्स उपलब्ध हैं। वे चाहें, तो एमबीए के तहत एचआर कोर्स कर सकते हैं या फिर स्वतंत्र पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स भी कर सकते हैं।

अवसर कहां?

एचआर में जॉब के अवसर विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध हैं। मैनेजर का बेसिक काम किसी भी क्षेत्र में हो सकता है, जैसे मैन्युफैक्चरिंग, बैंकिंग एंड फाइनेंस, पावर एंड एनर्जी, आईटी, हैल्थ केयर आदि। एचआर मैनेजमेंट कोर्स विद्यार्थियों को विभिन्न अवधारणाओं और प्रक्रियाओं की गहराई से समझ बनाने तथा उन्हें पीपल मैनेजमेंट स्किल सिखाने में मदद करते हैं। ऐसा थ्योरेटिकल और प्रेक्टिकल ज्ञान विद्यार्थियों को बेहतर टीम मेंबर, टीम लीडर, मैनेजर और यहां तक कि बेहतर इंसान बनने में भी मददगार होता है। एचआर कोर्स करने के बाद आपके सामने विभिन्न जॉब्स के अवसर होंगे, जिनमें शुरूआती सैलरी 4 से 8 लाख रुपए सालाना तक हो सकती है।

एचआर मैनेजमेंट के सिद्धांत

इस क्षेत्र में बेहतर कर दिखाने के लिए चार सिद्धांतों पर अमल करना उपयोगी होता है। सबसे पहली बात तो यह कि एचआर मैनेजर को 'पीपल्स मैनेजर' के रूप में ख्यात होना चाहिए। उसकी कम्युनिकेशन स्किल्स बेहतरीन होनी चाहिए। दूसरी बात यह कि आपको खूब पढ़ाकू होना चाहिए। क्लासिक मैनेजमेंट लिटरेचर से लेकर कॉरपोरेट मैग्जीन्स तक आपको सब कुछ पढ़ना चाहिए। तीसरी जरूरी बात यह है कि आपको अपना प्रोफेशनल नेटवर्क खड़ा करना चाहिए और इसमें सक्रिय बने रहना चाहिए। इससे आपको प्रोफेशनल रिश्तों के आधार पर सकारात्मक सूचनाओं का आदान-प्रदान करने का मौका मिलेगा। चौथी बात यह कि आपको अपने संस्थान की बेसिक बिजनेस प्रोसेस के बारे में अच्छी समझ होनी चाहिए।

प्रमुख संस्थान

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट
- इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी
- नरसी मोन्जी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज यूनिवर्सिटी, मुंबई
- जेवियर लेबर रिलेशंस इंस्टीट्यूट, जमशेदपुर

खारे पानी को पीने योग्य बनाने का किफायती तरीका खोजा

अमेरिका में भारतीय मूल के एक छात्र ने खारे पानी को पीने योग्य जल में तब्दील करने का एक सस्ता और आसान तरीका खोज निकाला है. इस छात्र के शोध ने कई बड़ी तकनीकी कंपनियों और विश्वविद्यालयों का ध्यान अपनी तरफ खींचा है. औरिगन के पोर्टलैंड का रहने वाला चैतन्य कारम्चेडू ने पूरे देश का ध्यान अपनी कक्षा में शुरू हुए विज्ञान के एक प्रयोग से खींचा. जेसुट हाई स्कूल के एक सीनियर ने केपीटीवी को बताया कि कारम्चेडू के पास दुनिया को बदलने की बड़ी योजनाएं हैं. कारम्चेडू ने कहा कि प्रत्येक आठ में से एक व्यक्ति के पास पीने के लिए स्वच्छ जल की व्यवस्था नहीं है. यह एक ऐसी चीज है जिसमें जल्द सुधार की जरूरत है. उन्होंने इस समस्या का समाधान करने का मन बना लिया है. उच्च बहुलक के साथ खारे पानी पर प्रयोग करके इस किशोर ने समुद्री जल से नमक हटाकर पीने योग्य जल तैयार करने का सस्ता तरीका खोजा है.

जानें, मोटरसाइकिल लवर एडवेंचर टूरिज्म गुरू की कहानी

लेह-लद्दाख का नाम सुनते ही मोटरसाइकिल और दोस्तों के साथ एक एडवेंचर ट्रिप का प्लान हर दूसरा युवा प्लान करता है लेकिन इस यात्रा पर काफी कम लोग ही जा पाते हैं. इन कम लोगों में एक ऐसे युवा सुरभित दीक्षित का नाम भी शामिल है जो लद्दाख को अपनी मोटरसाइकिल से नाप आए हैं.

एडवेंचर टूरिज्म गुरू के नाम से फेमस 32 वर्षीय सुरभित 51वीं बार दुनिया की सबसे ऊंची सड़क लद्दाख पर मोटरसाइकिल यात्रा के लिए जाने वाले हैं. जिला हरदोई में पले-बढ़े सुरभित को बचपन कुछ अलग करने की चाह रही फिर चाहे वह पढ़ाई हो या फिर उनके शौक का कोई काम. पढ़ाई खत्म करने के बाद सुरभित ने एक मल्टीनेशनल कंपनी का ऑफर ठुकरा कर अपने शौक को अपना करियर बना लिया. सुरभित ने हिमालय के पहाड़ी गांवों के लोगों की इको-टूरिज्म व्यवसाय स्थापित करने में मदद करने का फैसला लिया. हिमालय को और करीब से जानने के लिए सुरभित ने लद्दाख की ओर रूख किया. वह मोटरसाइकिल और दो दोस्तों के साथ लद्दाख की पहली यात्रा पर रवाना हो गए. इस ट्रिप को प्लान करने के लिए दिल्ली में ढंग के ट्रेवल-एजेंट्स को ढूंढने की मुहीम के दौरान सुरभित को ऐसा लगा कि जैसे पर्यटन की पूरी इंडस्ट्री में इसकी समझ रखने वाले लोग नहीं हैं. सुरभित ने 2010 में आईआईटी ग्रेजुएट स्वप्निल के साथ हिंदुस्तान मोटरसाइकिलिंग कंपनी नाम से एक एडवेंचर ट्रेवल कंपनी शुरू की, जिसकी टैगलाइन- महाराजा ऑफ द इंडियन बैक रोड्स रखा गया. अपने साथ-साथ सुरभित ने हजारों लोगों को दुनिया की सबसे ऊंची सड़क से लेकर दुर्गम पहाड़ों, रेगिस्तानों और पठारों की यात्राएं करवाई हैं. सुरभित का मानना है, कि यदि व्यक्ति अपने आज के समय की दुनिया को ईमानदारी से देखने, सोचने और समझने की कोशिश करे तो अपनी अगली पीढ़ी को सुनाने के लिए उसके पास तमाम कहानियां होंगी, वो भी बगैर किसी पछतावे के. असली खतरा घूमने में नहीं है, बल्कि एक जगह टिक कर रह जाने में है.

केरियर की उड़ान को कहीं रोक न ले हीन भावना

आपने अपने आसपास कुछ ऐसे लोगों को जरूर देखा होगा, जो हमेशा खुद को दूसरों से कमतर समझते हैं। वे अपने अच्छे गुणों को पहचान पाने में असमर्थ होते हैं और उन्हें अपने भीतर केवल बुराइयां ही नजर आती हैं। इसी वजह से वे हीन भावना के शिकार हो जाते हैं। इसी तरह मनोविज्ञान में खुद को सर्वश्रेष्ठ समझने की गलतफहमी को भी हीन भावना का ही एक रूप माना गया है। ऐसी समस्या से ग्रस्त लोग अपनी कमियों को छिपाने के लिए दूसरों के सामने खुद को बड़ा-चढ़ाकर पेश करते हैं। हीन भावना की ये दोनों ही स्थितियां खतरनाक हैं। हीन भावना पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ पर बुरा असर डालती है। इसलिए इससे बचना बहुत जरूरी है। आत्मविश्वास में कमी हीन भावना का प्रमुख लक्षण है। इससे ग्रस्त व्यक्ति निर्णय लेते हुए डरता है। नया काम शुरू करने के पहले ही उसे असफलता की चिंता सताने लगती है। लोगों से मिलने-जुलने में संकोच और अपनी बॉडी इमेज को लेकर नकारात्मक दृष्टिकोण हीन भावना के प्रमुख लक्षण हैं। इस समस्या से ग्रस्त लोग अपने रंग-रूप, बोलचाल, कद-काठी और पहनावे से हमेशा असंतुष्ट रहते हैं। कैसे दूर करें हीन भावना? अपनी कमियों के बारे में ज्यादा न सोचें। इससे आत्मविश्वास कमजोर होता है।

PRACHI MATHS & SCIENCE TUTORIALS
(Exclusive Tutorial for CBSE / ICSE) (VII-VIII- IX-X)
MATHS BY PRACHI HUNDAL MADAM
(Teaching Exp. 24 Years)
SCIENCE BY SENIOR FACULTIES
(Seperate Batch for CBSE & ICSE) USP ARE
★ For Personal attention
Small Batch Size (15 to 20 Students)
★ Homely Atmosphere
Excellent Previous Result
REGISTRATION OPEN
FOR 2017 SESSION Register today
& April early bird discount
Cont.- Mob.-9406542737, 9424312779
9B, SAKET NAGAR NEAR SPS. BEHIND BSNL OFFICE

क्यों गणेश की पूजा से होती है शुभ कामों की शुरुआत?

अक्सर लोग किसी शुभ कार्य को शुरू करने से पहले संकल्प करते हैं और उस संकल्प को कार्य रूप देते समय कहते हैं कि हमने अमुक कार्य का श्रीगणेश किया. कुछ लोग कार्य का शुभारंभ करते समय सर्वप्रथम श्रीगणेशाय नमः लिखते हैं. यहां तक कि पत्रादि लिखते समय भी 'ऊँ' या श्रीगणेश का नाम अंकित करते हैं. श्रीगणेश को प्रथम पूजन का अधिकारी क्यों मानते हैं?

लोगों का विश्वास है कि गणेश के नाम स्मरण मात्र से उनके कार्य निर्विघ्न संपन्न होते हैं- इसलिए विनायक के पूजन में 'विनायको विघ्नराजा-द्वैमातुर गणाधिप' स्त्रोत पाठ करने की परिपाटी चल पड़ी है. यहां तक कि उनके नाम से गणेश उपपुराण भी है. पुराण-पुरुष गणेश की महिमा का गुणगान सर्वत्र क्यों किया जाता है? यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है.

इस संबंध में एक कहानी प्रचलित है. एक बार सभी देवों में यह प्रश्न उठा कि पृथ्वी पर सर्वप्रथम किस देव की पूजा होनी चाहिए. सभी देव अपने को महान बताने लगे. अंत में इस समस्या को सुलझाने के लिए देवर्षि नारद ने शिव को निणार्यक बनाने की सलाह दी. शिव ने सोच-विचारकर एक प्रतियोगिता आयोजित की- जो अपने वाहन पर सवार हो पृथ्वी की परिक्रमा करके प्रथम लौटेंगे, वे ही पृथ्वी पर प्रथम पूजा के अधिकारी होंगे. सभी देव अपने वाहनों पर सवार हो चल पड़े. गणेश जी ने अपने पिता शिव और माता पार्वती की सात बार परिक्रमा की और शांत भाव से उनके सामने हाथ जोड़कर खड़े रहे. कार्तिकेय अपने मयूर वाहन पर आरूढ़ हो पृथ्वी का चक्कर लगाकर लौटे और दर्प से बोले, 'मैं इस स्पर्धा में विजयी हुआ, इसलिए पृथ्वी पर प्रथम पूजा पाने का अधिकारी मैं हूं.'

शिव अपने चरणें के पास भक्ति-भाव से खड़े विनायक की ओर प्रसन्न मुद्रा में देख बोले, 'पुत्र गणेश तुमसे भी पहले ब्रह्मांड की परिक्रमा कर चुका है, वही प्रथम पूजा का अधिकारी होगा.' कार्तिकेय खिन्न होकर बोले, 'पिताजी, यह कैसे संभव है? गणेश अपने मूषक वाहन पर बैठकर कई वर्षो में ब्रह्मांड की परिक्रमा कर सकते हैं. आप कहीं तो परिहास नहीं कर रहे हैं?' 'नहीं बेटे! गणेश अपने माता-पिता की परिक्रमा करके यह प्रमाणित कर चुका है कि माता-पिता ब्रह्मांड से बढ़कर कुछ और हैं. गणेश ने जगत् को इस बात का ज्ञान कराया है.?

इतने में बाकी सब देव आ पहुंचे और सबने एक स्वर में स्वीकार कर लिया कि गणेश जी ही पृथ्वी पर प्रथम पूजन के अधिकारी हैं. गणेश जी के सम्बंध में भी अनेक कथाएं पुराणों में वर्णित हैं. एक कथा के अनुसार शिव एक बार सृष्टि के सौंदर्य का अवलोकन करने हिमालयों में भूतगणों के साथ विहार करने चले गए. पार्वती जी स्नान करने के लिए तैयार हो गईं. सोचा कि कोई भीतर न आ जाए, इसलिए उन्होंने अपने शरीर के लेपन से एक प्रतिमा बनाई और उसमें प्राणप्रतिष्ठा करके द्वार के सामने पहरे पर बिठाया. उसे आदेश दिया कि किसी को भी अंदर आने से रोक दे. वह बालक द्वार पर पहरा देने लगा.

गणेश पूजन से पाएं लक्ष्मी कृपा...

इतने में शिव जी आ पहुंचे. वह अंदर जाने लगे. बालक ने उनको अंदर जाने से रोका. शिव जी ने क्रोध में आकर उस बालका का सिर काट डाला. स्नान से लौटकर पार्वती ने इस दृश्य को देखा. शिव जी को सारा वृत्तांत सुनाकर कहा, 'आपने यह क्या कर डाला? यह तो हमारा पुत्र है.? शिव जी दुखी हुए. भूतगणों को बुलाकर आदेश दिया कि कोई भी प्राणी उत्तर दिशा में सिर रखकर सोता हो, तो उसका सिर काटकर ले आओ. भूतगण उसका सिर काटकर ले आए. शिव जी ने उस बालक के धड़ पर हाथी का सिर चिपकाकर उसमें प्राण फूंक दिए. तवसे वह बालक 'गजवदन' नाम से लोकप्रिय हुआ.

दूसरी कथा...

दूसरी कथा भी गणेश जी के जन्म के बारे में प्रचलित है. एक बार पार्वती के मन में यह इच्छा पैदा हुई कि उनके एक ऐसा पुत्र हो जो समस्त देवताओं में प्रथम पूजन पाए. इन्होंने अपनी इच्छा शिव जी को बताई. इस पर शिव जी ने उन्हें पुष्पक व्रत मनाने की सलाह दी. पार्वती ने पुष्पक व्रत का अनुष्ठान करने का संकल्प किया और उस यज्ञ में सम्मिलित होने के लिए समस्त देवी-देवताओं को निमंत्रण दिया. निश्चित तिथि पर यज्ञ का शुभारंभ हुआ. यज्ञमंडल सभी देवी-देवताओं के आलोक से जगमगा उठा. शिव जी आगत देवताओं के आदर-सत्कार में संलग्न थे, लेकिन विष्णु भगवान की अनुपस्थिति के कारण उनका मन विकल था.

जानें कौन सा है गणेश जी का सबसे मंगलकारी रूप...

थोड़ी देर बाद विष्णु भगवान अपने वाहन गरुड़ पर आरूढ़ हो आ पहुंचे. सबने उनकी जयकार करके सादर उनका स्वागत किया. उचित आसन पर उनको बिठाया गया. ब्रह्माजी के पुत्र सनतकुमार यज्ञ का पौरोहित्य कर रहे थे. वेद मंत्रों के साथ यज्ञ प्रारंभ हुआ. यथा समय यज्ञ निर्विघ्न समाप्त हुआ. विष्णु भगवान ने पार्वती को आशीर्वाद दिया, 'पार्वती! आपकी मनोकामना पूर्ण होगी. आपके संकल्प के अनुरूप एक पुत्र का उदय होगा.' भगवान विष्णु का आशीर्वाद पाकर पार्वती प्रसन्न हो गई. उसी समय सनतकुमार बोल उठे, 'मैं इस यज्ञ का ऋत्विक हूं. यज्ञ सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है, परंतु शास्त्र-विधि के अनुसार जब तक पुरोहित को उचित दक्षिणा देकर संतुष्ट नहीं किया जाता, तब तक यज्ञकर्ता को यज्ञ का फल प्राप्त नहीं होगा.' 'कहिए पुरोहित जी, आप कैसी दक्षिणा चाहते हैं?' पार्वती जी ने पूछा. 'भगवती, मैं आपके पतिदेव शिव जी को दक्षिणा स्वरूप चाहता हूं.'

शिव-पार्वती ने रखा राधा-कृष्ण रूप...

पार्वती तड़पकर बोली, 'पुरोहित जी, आप पेरा सौभाग्य मांग रहे हैं. आप जानते ही हैं कि कोई भी नारी अपना सर्वस्व दान कर सकती है, परंतु अपना सौभाग्य कभी नहीं दे सकती. आप कृपया कोई और वस्तु मांगिए.' परंतु सनतकुमार अपने हठ पर अड़े रहे. उन्होंने साफ कह दिया कि वे शिव जी को ही दक्षिणा में लेंगे, दक्षिणा न देने पर यज्ञ का फल पार्वती जी को प्राप्त न होगा. देवताओं ने सनतकुमार को अनेक प्रकार से समझाया, पर वे अपनी बात पर डटे रहे. इस पर भगवान विष्णु ने पार्वती जी को समझाया, 'पार्वती जी! यदि आप पुरोहित को दक्षिणा न देंगी तो यज्ञ का फल आपको नहीं मिलेगा और आपकी मनोकामना भी पूरी न होगी.' पार्वती ने दृढ़ स्वर में उत्तर दिया, 'भगवान! मैं अपने पति से वंचित होकर पुत्र को पाना नहीं चाहती. मुझे केवल मेरे पति ही अभीष्ट हैं.'

शिव जी ने मंदहास करके कहा, 'पार्वती, तुम मुझे दक्षिणा में दे दो. तुम्हारा अहित न होगा.' पार्वती दक्षिणा में अपने पति को देने को तैयार हो गई, तभी अंतरिक्ष से एक दिव्य प्रकाश उदित होकर पृथ्वी पर आ उतरा. उसके भीतर से श्रीकृष्ण अपने दिव्य रूप को लेकर प्रकट हुए. उस विश्व स्वरूप के दर्शन करके सनतकुमार आह्लादित हो बोले, 'भगवती! अब मैं दक्षिणा नहीं चाहता. मेरा वांछित फल मुझे मिल गया.' श्रीकृष्ण के जयनादों से सारा यज्ञमंडप प्रतिध्वनित हो उठा. इसके बाद सभी देवता वहां से चले गए.

थोड़ी ही देर बाद एक विप्र वेशधारी ने आकर पार्वती जी से कहा, 'मां, मैं भूखा हं, अन्न दो.' पार्वती जी ने मिष्टान्न लाकर आगंतुक के समाने रख दिया. चंद मिनटों में ही थाल समाप्त कर द्विज ने फिर पूछा, 'मां, मेरी भूख नहीं मिटी, थोड़ा और खाने को दो.' वह ब्राह्मण बराबर मांगता रहा, पार्वती जी कुछ-न-कुछ लाकर खिलाती रहीं, फिर भी वह संतुष्ट न हुआ. कुछ और मांगता रहा. पार्वती जी की सहनशीलता जाती रही.

ये है भगवान शिव को खुश करने का खास मंत्र...

वह खीझ उठीं, शिव जी के पास जाकर शिकायती स्वर में बोलीं, 'देव, न मालूम यह कैसा याचक है. ओह, कितना खिलाया, और मांगता है. कहता है कि उसका पेट नहीं भरा. मैं और कहां से लाकर खिला सकती हूं.' शिव जी को उस याचक पर आश्चर्य हुआ. उस देखने के लिए पहुंचे, पर वहां कोई याचक न था. पार्वती चकित होकर बोली, 'अभी तो यहीं था, न मालूम कैसे अदृश्य हो गया' शिव जी ने मंदहास करते हुए कहा, 'देवी, वह कहीं नहीं गया. वह यहीं है, तुम्हारे उदर में. वह कोई पराया नहीं, साक्षात् तुम्हारा ही पुत्र गणेश है. तुम्हारे मनोकामना पूरी हो गई है. तुम्हें पुष्पक यज्ञ का फल प्राप्त हो गया है.' इस प्रकार भगवान शिव के अनुग्रह से गणेश जन्म धारण करके गणाधिपति बन गए. समस्त विश्व के संकट दूर करते हुए विघ्नेश्वर कहलाए.

तेंदुलकर ने एक और गांव लिया गोद

नई दिल्ली। चैम्पियन क्रिकेटर और राज्यसभा सांसद सचिन तेंदुलकर ने आंध्रप्रदेश के पुट्टमराजू केंद्रिगा के बाद सांसद आदर्श ग्राम योजना के तहत महाराष्ट्र में उस्मानाबाद के दोंजा गांव को गोद लिया है। तेंदुलकर ने इस गांव के विकास के लिए सांसद कोष में से 4 करोड़ रूपए मंजूर किए हैं। यह गोवा में नया स्कूल बनाने, जलापूर्ति योजना , सड़क और सीवेज लाइन बनाने पर खर्च होगा।

एक विज्ञप्ति के अनुसार शुरूआती काम किया जा चुका है और विभिन्न कामों के लिए टेंडर जिला परिषद चुनाव के बाद जारी किया जाएगा। इस बारे में उस्मानाबाद जिले के सहायक आयुक्त आयुष प्रसाद ने कहा कि आयुक्त कार्यालय गांववासियों के साथ मिलकर काम कर रहा है और गांव के संपूर्ण विकास के पूरे काम किए जाएंगे। हम महान क्रिकेटर और राज्यसभा सदस्य सचिन तेंदुलकर जी के शुक्रगुजार हैं जिन्होंने यह गांव चुना। तेंदुलकर ने जब यह गांव गोद लिया था तब यहां 610 में से 400 घरों में शौचालय नहीं थे । उसके बाद से 231 शौचालय बन चुके हैं।

रियो ओलिंपिक से पहले अस्थाई रूप से निलंबित इंद्रजीत सिंह का डोप मामला नाडा के अनुशासन पैनल को भेजा गया...

नई दिल्ली। पहलवान नरसिंह यादव के डोप टेस्ट में फेल हो जाने के बाद रियो ओलिंपिक की भारतीय उम्मीदों को उस वक्त दूसरा बड़ा झटका लगा था, जब शॉटपटर इंद्रजीत सिंह भी डोप टेस्ट में फेल हो गए थे. उस समय सूत्रों ने बताया था कि इंद्रजीत सिंह को एंड्रोस्टेरॉन और इटियोकोलैनोलोन नामक द्रव्यों के लिए पॉजिटिव पाया गया है. इसके बाद पिछले साल जुलाई में डोपिंग नियमों के उल्लंघन के लिए उन पर अस्थाई रूप से निलंबित कर दिया गया था. अब इस मामले पर राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने कहा है कि इंदरजीत सिंह के भविष्य पर फैसला उसका डोपिंग रोधी अनुशासन पैनल करेगा.

इंद्रजीत सिंह का 22 जून को लिया गया मूत्र का नमूना पॉजिटिव पाया गया था जिसके बाद उन्हें रियो ओलिंपिक में हिस्सा लेने से रोक दिया गया था. पहलवान नरसिंह यादव की तरह उन्होंने भी आरोप लगाया था कि शायद उनके नमूने के साथ छेड़छाड़ की गई हो. वर्ष 2015 के एशियाई चैम्पियन ने नाडा से बी नमूना भारत के बाहर किसी अन्य प्रयोगशाला में जांचने को कहा था क्योंकि उन्हें सरकार से मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला पर विश्वास नहीं था.

हालांकि उनके इस अनुरोध को ठुकरा दिया गया था लेकिन निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए हाल में उनके बी नमूने की जांच स्वतंत्र पर्यवेक्षक की मौजूदगी में की गई और सूत्रों के अनुसार यह भी पॉजिटिव आया है. संभवत: इसीलिए अब उनके मामले को अनुशासन पैनल को भेजा गया है.

नाडा ने अपने मासिक 'न्यूजलेटर' में कहा कि इंद्रजीत अस्थाई रूप से निलंबित हैं और डोप नियम उल्लंघन का मामला जनवरी 2017 में डोपिंग रोधी अनुशासन पैनल को भेज दिया गया था. नाडा ने कहा कि कबड्डी खिलाड़ी मंगेश भगत, पावरलिफ्टिंग से जुड़े भारत भूषण और एथलीट महेश काले को भी डोपिंग के कारण अस्थाई तौर पर निलंबित किया गया है और उनके मामले को भी अनुशासन पैनल के पास भेजा गया है. इसमें यह भी बताया गया है कि सुनवाई के बाद चार खिलाड़ियों एथलीट गौरव यादव, लंबी कूद के पैरा खिलाड़ी जगसीर सिंह, हैंडबाल के तेजवीर सिंह और तैराक सुब्रत नंदी पर चार-चार साल का प्रतिबंध लगाया गया है.

इंद्रजीत सिंह देश के उन एथलीटों में शामिल हैं, जो राष्ट्रीय कैम्पों में ट्रेनिंग नहीं लेते हैं. वह आमतौर पर अपने निजी कोच के साथ खुद ही ट्रेनिंग करते हैं. इंद्रजीत सिंह पिछले साल एशियाई चैम्पियनशिप, एशियन ग्रां प्री और वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में स्वर्ण पदक जीत चुके हैं.

''भोपालीवुड'' हुआ भोपाल

भोपाल, अजय सिसौदिया (फिल्म समीक्षक)

इन दिनों शहर के कई युवा मप्र में बॉलीवुड की तर्ज पर भोपालीवुड का एक नया कॉन्सेप्ट लाने का प्रयास कर रहे हैं। इसके लिए वे सिनेमध्या.कॉम के जरिए मप्र के सारे डायरेक्टर्स, एक्टर्स, मॉडल्स, आर्ट डायरेक्टर्स, मेकअप मैन, कॉस्टयूम डिजाइनर्स आदि को एक प्लेटफॉर्म पर लाने का प्रयास कर रहे हैं। इससे मप्र का खुद का एक फिल्मी डाटाबेस तैयार हो जाएगा। यह प्रयास फिल्म के क्षेत्र से जुड़े जन्मेजय सिंह, आयुष श्रीवास्तव, विनम्र मिश्रा और मयंक शाह द्वारा किया जा रहा है। भोपाल में कई सारी नैचुरल और फ्रेश लोकेशन्स फिल्म मेकर्स के लिए अवेलेबल हैं।

फिल्म निर्देशक प्रकाश झा को भोपाल इतना पसंद आया है कि वे यहां अपना नया प्रोजेक्ट शुरू करने जा रहे हैं। हांलाकि ये प्रोजेक्ट भी फिल्मों से ही जुड़ा होगा और इस नए प्रोजेक्ट के जरिए फिल्म से जुड़े तकनीकी पहलुओं की ट्रेनिंग दी जाएगी। बता दें कि इस सिलसिले में प्रकाश झा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह और संबंधित विभागों के आला अधिकारियों से मुलाकात कर चुके हैं। प्रकाश झा ने सरकार के सामने अपने प्रोजेक्ट के जरिए मध्यप्रदेश में 100 करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव रखा है।

प्रकाश झा ने चर्चा के दौरान बताया था कि फिल्म से जुड़े कोर्सेस करने के लिए ज्यादातर युवा वर्ग मुंबई या हैदराबाद जैसी जगहों पर जाता है, लेकिन अगर भोपाल में ऐसा सेंटर शुरू हो जाएगा तो देश के बीचोंबीच बसे इस शहर में इन दोनों शहरों के अलावा ज्यादा युवा कोर्स करने पहुंचेंगे।

प्रकाश झा ने जो स्किल डेवलपमेंट सेंटर का प्रस्ताव सीएम को सौंपा है। उस प्रस्ताव पर प्रदेश सरकार ने काम करना शुरू कर दिया है। इस प्रस्ताव को निवेश संवर्धन समिति को भेज दिया गया है। समिति प्रकाश झा के प्रस्ताव का अध्ययन और

मध्यप्रदेश सरकार की तरफ से मिलने वाली रियायतों पर विचार करके प्रस्ताव को आगे बढ़ाएगी।

प्रकाश झा की तरह भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के जाने-माने अभिनेता रवि किशन जल्द ही भोपाल में हिंदी फिल्म की शूटिंग करने जा रहे हैं। रवि किशन का कहना है कि यह एक लव स्टोरी होगी। इस फिल्म को शहर में शूट किए जाने की वजह के बारे में पूछे जाने पर उनका कहना है कि शहर की हरियाली और यहां की झीलें उन्हें बहुत आकर्षित करती हैं। उनका मानना है कि शहर में बहुत सी ऐसी लोकेशन मौजूद हैं जहां इस फिल्म की शूटिंग की जा सकती है। अभिनेता रवि किशन अब तक 300 भोजपुरी फिल्मों में और 100 भाषाई फिल्मों में काम कर चुके हैं।

भोपाल और आसपास के क्षेत्रों में बॉलीवुड की कई सुपरहिट फिल्मों की शूटिंग हो चुकी है। इनमें राजनीति, यंगिस्तान, यमला पगला दीवाना, सत्याग्रह से मध्यप्रदेश को एक नई पहचान मिली है। फिल्म सिटी आने के बाद यहां बेहतर जॉब मिलने की उम्मीद है। फिल्म स्टूडियो में 100 से ज्यादा लोग काम करते हैं। यदि इस तरह के कई स्टूडियो शहर में होंगे तो युवाओं को रोजगार मिलेगा।

SWATI
Tution Classes
Don't waste time Rush
Immediately for
Coming Session 2017-2018
Personalized
Tution
up to
7th Class
for
All Subjets
Special Classes
for
Sanskrit
Contact: Swati Tution Classes
Sagar Premium Tower, D-Block, Flat No. 007
Mobile : 9425313620, 9425313619

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : पराग वराडपांडे द्वारा राष्ट्रीय हिन्दी मेल, प्लॉट नम्बर-3, लिंक रोड नम्बर-3, पत्रकार कॉलोनी के पास, भोपाल - म. प्र से मुद्रित कराकर, प्लाट नं. -12, सेक्टर-ए, परस्पर सोसायटी चूनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक: पराग वराडपांडे, मो. 9826051505,आर.एन.आई. नं. **MPHIN/2015/66655, editor@trikaldrishti.com** (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)